सप्तदश माला, खंड 29, अंक 1 **बुधवार, 31 जनवरी, 2024**
11 माघ, 1945 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद

(हिन्दी संस्करण)

पन्द्रहवां सत्र

(सत्रहवीं लोक सभा)

(खंड 29 में 1 से 9 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय

नई दिल्ली

सम्पादक मंडल

उत्पल कुमार सिंह
महासचिव
लोक सभा

ममता केमवाल
संयुक्त सचिव

अमर सिंह
निदेशक

बसन्त प्रसाद
संयुक्त निदेशक

© 2024 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय

लोक सभा सचिवालय की पूर्व स्वीकृति के बिना किसी भी सामग्री की न तो नकल की जाए और न ही पुन: प्रतिलिपि तैयार की जाए, साथ ही उसका वितरण, पुन: प्रकाशन, डाउनलोड, प्रदर्शन तथा किसी अन्य कार्य के लिए इस्तेमाल अथवा किसी अन्य रूप या साधन द्वारा प्रेषण न किया जाए, यह प्रतिबंध केवल इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोप्रति, रिकॉर्डिंग आदि तक ही सीमित नहीं है। तथापि, इस सामग्री का केवल निजी, गैर-वाणिज्यिक प्रयोग हेतु प्रदर्शन, नकल और वितरण किया जा सकता है बशर्ते कि सामग्री में किसी प्रकार का परिवर्तन न किया जाए और सभी प्रतिलिप्यधिकार (कॉपीराइट) तथा सामग्री में अंतर्विष्ट अन्य स्वामित्व संबंधी सूचनाएं सुरक्षित रहें।

लोक सभा वाद-विवाद के हिन्दी संस्करण का अनुवाद कृत्रिम मेधा (Artificial Intelligence**) आधारित सॉफ्टवेयर एप्पलीकेशन की सहायता से किया गया है और सटीक अनुवाद उपलब्ध कराने के लिए यथोचित प्रयास किए गए हैं। तथापि,** हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जाएगी। इसमें सम्मिलित मूलत: अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में दिए गए भाषणों का हिन्दी अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जाएगा। पूर्ण प्रामाणिक संस्करण के लिए कृपया लोक सभा वाद-विवाद का मूल संस्करण देखें।

विषय-सूची

सप्तदश माला, खंड 29, पन्द्रहवां सत्र, 2024 / 1945 (शक)

अंक 1, बुधवार, 31 जनवरी, 2024 / 11 माघ, 1945 (शक)

विषय	पृष्ठ संख्या
सत्रहवीं लोक सभा के सदस्यों की वर्णानुक्रमानुसार सूची	4-34
लोक सभा के पदाधिकारी	35
मंत्रिपरिषद	36-48
राष्ट्रगान	50
अध्यक्ष द्वारा टिप्पणी	
नियम 384 में छूट देते हुए राष्ट्रपति के अभिभाषण के स्थान के रूप में लोक सभा कक्ष के उपयोग का प्रस्ताव	50
राष्ट्रपति का अभिभाषण	51-70
निधन संबंधी उल्लेख	71
विशेषाधिकार समिति	
7वां प्रतिवेदन	72

सत्रहवीं लोक सभा के सदस्यों की वर्णानुक्रमानुसार सूची

अब्दुल्ला, डॉ. फारूख़ (श्रीनगर)

अंगड़ी, श्रीमती मंगल सुरेश सी. (बेलगाम)

अग्रवाल, श्री राजेन्द्र (मेरठ)

अजगल्ले, श्री गुहाराम (जांजगीर-चांपा)

अज़मल, श्री एम. बदरुद्दीन (धुबरी)

अधिकारी (देव), श्री दीपक (घाटल)

अधिकारी, श्री दिव्येन्दु (तामलुक)

अधिकारी, श्री शिशिर कुमार (कांथी)

अनसारी, श्री अफजाल (गाजीपुर)

अनुराधा, श्रीमती चिंता (अमलापुरम)

अन्नादुरई, श्री सी. एन. (तिरुवन्नामलाई)

अमरप्पा, श्री कराडी सनगन्ना (कोप्पल)

अम्बरीश, श्रीमती सुमलता (मान्डया)

अली, कुंवर दानिश (अमरोहा)

अहमद,श्रीमती साजदा (उलुबेरिया)

अहलुवालिया,श्री एस.एस. (बर्धमान-दुर्गापुर)

आज़ाद, श्रीमती संगीता (लालगंज)

आनन्द, श्री डी. एम. कथीर (वेल्लोर)

आरिफ़, एडवोकेट ए.एम. (अलप्पुझा)

इरानी, श्रीमती स्मृति ज़ूबिन (अमेठी)

ईडन श्री हैबी (एरनाकुलम)

उइके, श्री दुर्गा दास (बैतूल)

उदासी, श्री एस. सी. (हावेरी)

उन्नीथन, श्री राजमोहन (कासरगोड)

उलाका, श्री सप्तगिरी शंकर (कोरापुट)

एन्टोनी, श्री एंटो (पथनमथीट्टा)

ओझा, श्रीमती क्वीन (गौहाटी)

ओराम, श्री जुएल (सुंदरगढ़)

ओवैसी, श्री असादुद्दीन (हैदराबाद)

औजला, श्री गुरजीत सिंह (अमृतसर)

कटारा, श्री कनकमल (बांसवाड़ा)

कटील, श्री नलीन कुमार (दक्षिण कन्नड़)

कठेरिया, डॉ. रामशंकर (इटावा)

कपूर, श्री किशन (कांगड़ा)

करान्दलाजे, कुमारी शोभा (उदुपी चिकमगलूर)

करूणानिधि, श्रीमती कनिमोझी (थूथुक्कुडी)

कश्यप, श्री धर्मेन्द्र (आंवला)

कश्यप, श्री सुरेश (शिमला)

कस्वां, श्री राहुल (चुरू)

काछड़िया, श्री नारणभाई (अमरेली)

कामैत, श्री दिलेश्वर (सुपौल)

किंजरापु, श्री राम मोहन नायडू (श्रीकाकुलम)

किशन, श्री रवि (गोरखपुर)

किशोर, श्री कौशल (मोहनलालगंज)

कीर्तिकर, श्री गजानन (मुम्बई उत्तर पश्चिम)

कुंडारिया, श्री मोहनभाई (राजकोट)

कुमार, डॉ. वीरेन्द्र (टीकमगढ़)

कुमार, श्री कौशलेन्द्र (नालंदा)

कुमार, श्री धनुष एम. (तेनकासी)

कुमार, श्री नरेन्द्र (झुन्झुनू)

कुमार, श्री बंदी संजय (करीमनगर)

कुमार, श्री विजय (गया)

कुमार, श्री संतोष (पूर्णिया)

कुमार, श्री सुनील (वाल्मीकिनगर)

कुरियाकोस, एडवोकेट डीन (इडुक्की)

कुलस्ते, श्री फग्गनसिंह (मंडला)

कुशवाहा, श्री रविन्दर (सलेमपुर)

कैसर, चौधरी महबूब अली (खगड़िया)

कोटक, श्री मनोज (मुंबई उत्तर-पूर्व)

कोटागिरी, श्री श्रीधर (एलुरु)

कोडा, श्रीमती गीता (सिंहभूम)

कोल, श्री पकौड़ी लाल (रोबर्ट्सगंज)

कोली, श्रीमती रंजीता (भरतपुर)

कोल्हे, डॉ. अमोल रामसिंह (शिरूर)

कौर, श्रीमती परनीत (पटियाला)

कौशिक, श्री रमेश चन्द्र (सोनीपत)

खाडसे, श्रीमती रक्षा निखिल (रावेर)

खान, श्री अबू ताहेर (मुर्शिदाबाद)

खान, श्री सौमित्र (बिष्णुपुर)

खालेक, श्री अब्दुल (बारपेटा)

खुबा, श्री भगवंत (बीदर)

खेर, श्रीमती किरण (चंडीगढ़)

गंगवार, श्री संतोष कुमार (बरेली)

गंभीर, श्री गौतम (पूर्वी दिल्ली)

गडकरी, श्री नितिन जयराम (नागपुर)

गणेशमूर्ति, श्री ए. (इरोड)

गद्दीगौदर, श्री पी.सी. (बागलकोट)

गल्ला, श्री जयदेव (गुंटूर)

गवली (पाटील), श्रीमती भावना (यवतमाल-वाशिम)

गांधी, श्री फ़िरोज़ वरुण (पीलीभीत)

गांधी, श्री राहुल (वायनाड)

गांधी, श्रीमती मेनका संजय (सुल्तानपुर)

गांधी, श्रीमती सोनिया (रायबरेली)

गाव, श्री तापिर (अरुणाचल पूर्व)

गावित, श्री राजेन्द्र धेड्या (पालघर)

गावीत, डॉ. हिना विजयकुमार (नन्दुरबार)

गिल, श्री जसबीर सिंह (खडूर साहिब)

गीता विश्वनाथ, श्रीमती वांगा (काकीनाडा)

गुप्ता, श्री संगम लाल (प्रतापगढ़)

गुप्ता, श्री सुधीर (मन्दसौर)

गुरुमूर्ति, श्री मद्दीला (तिरुपति)

गोगोई ,श्री तपन कुमार (जोरहाट)

गोगोई, श्री गौरव (कलियाबोर)

गोडसे, श्री हेमन्त तुकाराम (नासिक)

गोस्वामी, श्री दुलाल चन्द्र (कटिहार)

गौड़ा, श्री डी. वी. सदानन्द (बैंगलोर उत्तर)

गौतम, श्री सतीश कुमार (अलीगढ़)

घोष, श्री दिलीप (मेदिनीपुर)

चक्रवर्ती, सुश्री मिमी (जादवपुर)

चटर्जी, श्रीमती लॉकेट (हुगली)

चन्देल, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह (हमीरपुर)

चन्द्र, श्री गिरीश (नगीना)

चन्द्रशेखर, श्री बेल्लाना (विज़यानगरम)

चाज़िकाडन, श्री थोमस (कोट्टायम)

चावड़ा , श्री विनोद लखमशी (कच्छ)

चाहर, श्री राजकुमार (फतेहपुर सीकरी)

चिखलीकर, श्री प्रतापराव पाटिल (नांदेड़)

चिदम्बरम, श्री कार्ती पी. (शिवगंगा)

चिनराज, श्री ए.के.पी. (नामाक्कल)

चूड़ासमा, श्री राजेश नारणभाई (जूनागढ़)

चेल्लाकुमार, डॉ. ए. (कृष्णागिरी)

चौधरी, श्री अधीर रंजन (बहरामपुर)

चौधरी, श्री अबु हसीम खान (माल्दहा दक्षिण)

चौधरी, श्री कैलाश (बाड़मेर)

चौधरी, श्री चन्द्र प्रकाश (गिरिडीह)

चौधरी, श्री पंकज (महाराजगंज)

चौधरी, श्री पी. पी. (पाली)

चौधरी, श्री प्रदीप कुमार (कैराना)

चौधरी, श्री भागीरथ (अजमेर)

चौधुरी, सुश्री देबाश्री (रायगंज)

चौबे, श्री अश्विनी कुमार (बक्सर)

चौहन, श्री देवुसिंह (खेड़ाा)

चौहान, श्री निहाल चन्द (गंगानगर)

जगतरक्षकन, श्री एस. (अराकोन्नम)

जटुआ, श्री चौधरी मोहन (मथुरापुर)

जयकुमार, डॉ. के. (तिरुवल्लूर)

जरदोश, श्रीमती दर्शना विक्रम (सूरत)

ज़लील, श्री सय्यद ईमत्याज (औरंगाबाद)

जहां, श्रीमती नुसरत (बसीरहाट)

जादौन, डॉ. चन्द्र सेन (फिरोजाबाद)

जाधव, डॉ. उमेश जी. (गुलबर्गा)

जाधव, श्री प्रतापराव (बुलढाणा)

जाधव, श्री संजय (परभणी)

जायसवाल, डॉ. संजय (पश्चिम चम्पारण)

जावेद, डॉ. मोहम्मद (किशनगंज)

जिगाजिनागि, श्री रमेश चंदप्पा (बीजापुर)

जोतिमणि, सुश्री एस. (करूर)

जोल्ले, श्री अण्णासाहेब शंकर (चिक्कोडी)

जोशी, प्रो. रीता बहुगुणा (इलाहाबाद)

जोशी, श्री प्रहलाद (धारवाड़)

जोशी, श्री सी. पी. (चित्तौड़गढ़)

जौनापुरिया, श्री सुखबीर सिंह (टोंक-सवाई माधोपुर)

ज्ञानतिरावियम, श्री एस. (तिरूनेलवेली)

ज्योति, साध्वी निरंजन (फतेहपुर)

टम्टा, श्री अजय (अल्मोड़ा)

टुडु, इंजीनियर बिश्वेश्वर (मयूरभंज)

टेनी, श्री अजय मिश्र (खीरी)

ठाकुर, श्री अनुराग सिंह (हमीरपुर)

ठाकुर, श्री गोपाल जी (दरभंगा)

ठाकुर, श्री शान्तनु (बनगांव)

ठाकुर, साध्वी प्रज्ञा सिंह (भोपाल)

डाभी, श्री भरतसिंहजी शंकरजी (पाटण)

तटकरे, श्री सुनील दत्तात्रेय (रायगढ)

तडस, श्री रामदास (वर्धा)

तिरुमावलवन, डॉ. थोल (चिदम्बरम)

तिवारी, श्री मनीश (आनंदपुर साहिब)

तिवारी, श्री मनोज (उत्तर पूर्व दिल्ली)

तुमाने, श्री कृपाल बालाजी (रामटेक)

तेली, श्री रामेश्वर (डिब्रूगढ़)

त्रिपाठी, डॉ. रमापति राम (देवरिया)

त्रिपुरा, श्री रेबती (त्रिपुरा पूर्व)

थंगापंडियन, डॉ. टी. सुमति (ए) तामिझाची (चेन्नई दक्षिण)

थरूर, डॉ. शशि (तिरूवनन्तपुरम)

थिरुनवुक्करासर, श्री सु. (तिरुचिरापल्ली)

दरबार, श्री छतर सिंह (धार)

दस्तीदार, डॉ. काकोली घोष (बारासात)

दादाराव, श्री दानवे रावसाहेब (जालना)

दामोर, श्री इंजीनियर गुमान सिंह (रतलाम)

दास, श्री पल्लब लोचन (तेजपुर)

दिलेर, श्री राजवीर (हाथरस)

दुग्गल, सुश्री सुनीता (सिरसा)

दुबे, डॉ. निशिकांत (गोड्डा)

दुबे, श्री विजय कुमार (कुशी नगर)

देओल, श्री सन्नी (गुरदासपुर)

देब, श्री नितेश गंगा (सम्बलपुर)

देलकर, श्रीमती कलाबेन मोहनभाई (दादरा और नगर हवेली)

देवरायालू, श्री लावू श्रीकृष्णाा (नरसाराओपेट)

देवी, श्रीमती अन्नपुर्णा (कोडरमा)

देवी, श्रीमती रमा (शिवहर)

देवी, श्रीमती वीणा (वैशाली)

देवेन्द्रप्पा, श्री वाई. (बेल्लारी)

द्विवेदी, श्री हरीश (बस्ती)

धडुक, श्री रमेशभाई एल. (पोरबंदर)

धर्मापुरी, श्री अरविंद (निजामाबाद)

धोत्रे, श्री संजय शामराव (अकोला)

नटराजन, श्री पी.आर. (कोयम्बटूर)

नवासखनी, श्री के. (रामनाथपुरम)

नाईक, श्री राजा अमरेश्वर (रायचूर)

नाईक, श्री श्रीपाद येसो (उत्तर गोवा)

नागर, श्री मलूक (बिजनौर)

नागर, श्री रोड़मल (राजगढ़)

नाथ, श्री नकुल के. (छिंदवाड़ा)

नामग्याल, श्री जामयांग शेरिंग (लद्दाख)

निम्बालकर, श्री रंजीतसिन्हा नाईक (माधा)

निशंक, डॉ. रमेश पोखरियाल (हरिद्वार)

निषाद, श्री अजय (मुजफ्फरपुर)

निषाद, श्री प्रवीन कुमार (संत कबीर नगर)

नेते, श्री अशोक महादेवराव (गड़चिरोली-चिमुर)

पंडा, श्री बसंत कुमार (कालाहाण्डी)

पचौरी, श्री सत्यदेव (कानपुर)

पटेल (बकाभाई), श्री मितेश (आनंद)

पटेल, डॉ. के. सी. (वलसाड)

पटेल, श्री आर. के. सिंह (बांदा)

पटेल, श्री गजेन्द्र उमराव सिंह (खरगौन)

पटेल, श्री देवजी (जालौर)

पटेल, श्री परबतभाई सवाभाई (बनासकांठा)

पटेल, श्री लालूभाई बी. (दमन और दीव)

पटेल, श्री हँसमुखभाई एस. (अहमदाबाद पूर्व)

पटेल, श्रीमती अनुप्रिया (मिर्जापुर)

पटेल, श्रीमती केशरी देवी (फूलपुर)

पटेल, श्रीमती शारदा अनिल (महेसाणा)

पलानीमणिक्कम, श्री एस.एस. (तंजावुर)

पवार, डॉ. भारती प्रवीण (दिन्डोरी)

पसुनूरी, श्री दयाकर (वारंगल)

पाटिल, श्री उन्मेश भैय्यासाहेब (जलगाँव)

पाटिल, श्री ज्ञानेश्वर (खण्डवा)

पाटिल, श्री संजय काका (सांगली)

पाटिल, श्री सी.आर. (नवसारी)

पाटिल, श्री हेमन्त (हिंगोली)

पाटील, श्री कपिल मोरेश्वर (भिवंडी)

पाटील, श्री बी. बी. (जहीराबाद)

पाटील, श्री श्रीनिवास दादासाहेब (सतारा)

पाठक, श्री सुब्रत (कन्नौज)

पाण्डेय, डॉ. महेन्द्र नाथ (चन्दौली)

पाण्डेय, श्री रितेश (अम्बेडकर नगर)

पान्डेय, श्री संतोष (राजनंदगाँव)

पारस, श्री पशुपति कुमार (हाजीपुर)

पारिवेन्धर, डॉ. टी.आर. (पेरम्बलुर)

पार्थिबन, श्री एस.आर. (सलेम)

पाल, श्री कृष्ण (फरीदाबाद)

पाल, श्री जगदम्बिका (डुमरियागंज)

पाला, श्री विनसेंट एच. (शिलौंग)

पासवान, श्री कमलेश (बासगाँव)

पासवान, श्री चिराग कुमार (जमुई)

पासवान, श्री छेदी (सासाराम)

पिन्टू, श्री सुनील कुमार (सीतामढ़ी)

पुजारी, श्री सुरेश (बारगढ)

पोथुगन्ती, श्री रामुलु (नगरकुरनूल)

पोद्दार, श्रीमती अपरूपा (आरामबाग)

प्रकाश, एडवोकेट अदूर (अट्टिंगल)

प्रकाश, श्री जय (हरदोई)

प्रकाश, श्री सोम (होशियारपुर)

प्रथापन, श्री टी.एन. (त्रिस्सूर)

प्रसाद, श्री चन्देश्वर (जहानाबाद)

प्रसाद, श्री रवि शंकर (पटना साहिब)

प्रसाद, श्री वी. श्रीनिवास (चामराजनगर)

प्रामाणिक, श्री निशीथ (कूचबिहार)

प्रेमचन्द्रन, श्री एन. के. (कोल्लम)

फिरोजिया, श्री अनिल (उज्जैन)

फैजल पी.पी., श्री मोहम्मद (लक्षद्वीप)

फोज़, डॉ. लोरहो (बाह्य मणिपुर)

बघेल, प्रो. एस.पी. सिंह (आगरा)

बघेल, श्री विजय (दुर्ग)

बचेगौडा, श्री बी.एन. (चिकबल्लापुर)

बनर्जी, श्री अभिषेक (डायमण्ड हार्बर)

बनर्जी, श्री कल्याण (श्रीरामपुर)

बनर्जी, श्री प्रसून (हावड़ा)

बन्दोपाध्याय, श्री सुदीप (कोलकाता उत्तर)

बरुवा, श्री प्रदान (लखीमपुर)

बर्क, डॉ. शफ़ीकुर्रहमान (सम्भल)

बर्ला, श्री जॉन (अलीपुरद्वारस)

बशीर, श्री ई.टी. मोहम्मद (पोन्नानी)

बसवराज, श्री जी. एस. (तुमकुर)

बहेड़िया, श्री सुभाष चन्द्र (भीलवाड़ा)

बादल, श्री सुखबीर सिंह (फ़िरोज़पुर)

बादल, श्रीमती हरसिमरत कौर (भटिंडा)

बारणे, श्री श्रीरंग आप्पा (मावल)

बालियान, डॉ. संजीव कुमार (मुजफ्फरनगर)

बालू, श्री टी.आर.(श्रीपेरम्बुदुर)

बिंद, श्री रमेश (भदोही)

बिधूड़ी, श्री रमेश (दक्षिण दिल्ली)

बिरला, श्री ओम (कोटा)

बिष्ट, श्री राजू (दार्जिलिंग)

बिसाई, श्रीमती प्रमिला (अस्का)

बिसेन, डॉ. ढालसिंह (बालाघाट)

बे, श्री होरेन सिंह (स्वशासी जिले)

बेनीवाल, श्री हनुमान (नागौर)

बेहनन, श्री बैन्नी (चालाकुडी)

बैज, श्री दीपक (बस्तर)

बोरदोलोई, श्री प्रद्युत (नौगोंग)

बोरलाकुंता, डॉ वेंकटेश नेता (पेड्डापल्ली)

बोहरा, श्री रामचरण (जयपुर)

भगत, श्री सुदर्शन (लोहरदगा)

भट्ट, एडवोकेट अजय (नैनीताल-ऊधम सिंह नगर)

भट्ट, श्रीमती रंजनबेन (वडोदरा)

भरत, श्री मारगनी (राजामुन्दरी)

भाटिया, श्री संजय (करनाल)

भाभोर, श्री जसवंतसिंह सुमनभाई (दाहोद)

भामरे, डॉ. सुभाष रामराव (धुले)

भार्गव, श्री रमाकान्त (विदिशा)

भोलानाथ 'बी. पी. सरोज', श्री (मछलीशहर)

'भोले', श्री देवेन्द्र सिंह (अकबरपुर)

भौमिक, कुमारी प्रतिमा (त्रिपुरा पश्चिम)

मंडल, श्री अजय कुमार (भागलपुर)

मंडल, श्री रामप्रीत (झंझारपुर)

मंडल, श्री सुनील कुमार (वर्धमान पूर्व)

मंडल, श्रीमती मंजुलता (भद्रक)

मंडावी, श्री मोहन (कांकेर)

मजूमदार, डॉ. सुकान्त (बालूरघाट)

मणिक्कम टैगोर, श्री बी. (विरुधुनगर)

मण्डल, श्रीमती प्रतिमा (जयनगर)

मलोथू, श्रीमती कविता (महबूबाबाद)

मल्लाह, श्री कृपानाथ (करीमगंज)

मल्लिक, डॉ. राजश्री (जगतसिंहपुर)

मसूदी, श्री हसनैन (अनन्तनाग)

महंत, श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास (कोरबा)

महताब, श्री भर्तृहरि (कटक)

महतो, श्री ज्योतिर्मय सिंह (पुरूलिया)

महतो, श्री बिद्युत बरन (जमशेदपुर)

महाजन, श्रीमती पूनम (उत्तर मध्य मुम्बई)

महाराज, डॉ. स्वामी साक्षीजी (उन्नाव)

मांडलिक, श्री संजय सदाशिवराव (कोल्हापुर)

माझी, श्री रमेश चन्द्र (नबरंगपुर)

माडम, श्रीमती पूनमबेन (जामनगर)

माणे, श्री धैर्यशील संभाजीराव (हातकणंगले)

माधव, श्री कुरुवा गोरांतला (हिन्दुपुर)

माधवी, कुमारी गोड्डेति (अराकु)

मान, सरदार सिमरनजीत सिंह (संगरूर)

मारन, श्री दयानिधि (चेन्नई केन्द्रीय)

माल, श्री असित कुमार (बोलपुर)

मिश्र, श्री जनार्दन (रीवा)

मिश्रा, श्री पिनाकी (पुरी)

मीणा, श्री अर्जुन लाल (उदयपुर)

मीना, श्रीमती जसकौर (दौसा)

मुंजपरा, डॉ. (प्रो.) महेन्द्र (सुरेन्द्रनगर)

मुंडा, श्री अर्जुन (खूँटी)

मुंडे, डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव (बीड)

मुनिस्वामी, श्री एस. (कोलार)

मुरलीधरन, श्री के. (वडाकरा)

मुर्मु, कुमारी चन्द्राणी (क्योंझर)

मुर्मु, श्री खगेन (माल्दहा उत्तर)

मेंढे, श्री सुनील बाबूराव (भन्डारा-गोंदिया)

मेघवाल, श्री अर्जुन राम (बीकानेर)

मोदी, श्री नरेन्द्र (वाराणसी)

मोहंती, श्री अनुभव (केन्द्रपाड़ा)

मोहन, श्री पी.सी. (बैंगलोर केन्द्रीय)

मौर्य, डॉ. संघमित्रा (बदायूं)

यादव 'निरहुआ', श्री दिनेश लाल (आज़मगढ़)

यादव, श्री अशोक कुमार (मधुबनी)

यादव, श्री कृष्ण पाल सिंह (गुना)

यादव, श्री गिरिधारी (बांका)

यादव, श्री दिनेश चन्द्र (मधेपुरा)

यादव, श्री राम कृपाल (पाटलिपुत्र)

यादव, श्री श्याम सिंह (जौनपुर)

यादव, श्रीमती डिम्पल (मैनपुरी)

येपथोमी, श्री तोखेहो (नागालैण्ड)

रंगैय्या, डॉ. तालारी (अनन्तपुर)

रंजन, डॉ. आर. के. (आंतरिक मणिपुर)

रमेश, श्री टी. आर. वी. एस. (कुड्डालोर)

रविकुमार, डॉ. डी. (विलुपुरम)

रविन्द्रनाथ, श्री पी. (थेनी)

रहमान, श्री खलीलुर (जंगीपुर)

रहमान, श्री हाजी फजलुर (सहारनपुर)

राऊत, श्री विनायक भाऊराव (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग)

राघवन, श्री एम. के. (कोझिकोड)

राघवेन्द्र श्री बी.वाई. (शिमोगा)

राज, श्री प्रिंस (समस्तीपुर)

राजपूत, श्री मुकेश (फर्रूखाबाद)

राजा, श्री ए. (नीलगिरी)

राजू, श्री रघु राम कृष्ण (नरसापुरम)

राजेनिंबालकर, श्री ओम पवन (उस्मानाबाद)

राजोरिया, डॉ. मनोज (करौली-धौलपुर)

राठवा, श्रीमती गीताबेन वी. (छोटा उदयपुर)

राठौड़, श्री दीपसिंह शंकरसिंह (साबरकंठा)

राठौड़, श्री रतनसिंह मगनसिंह (पंचमहल)

राणा, श्रीमती नवनित रवि (अमरावती)

राम, श्री विष्णु दयाल (पलामू)

रामलिंगम, श्री एस. (मइलादुथरई)

राय (बनर्जी), श्रीमती शताब्दी (बीरभूम)

राय, डॉ. जयंत कुमार (जलपाईगुड़ी)

राय, डॉ. राजदीप (सिल्चर)

राय, प्रो. सौगत (दम दम)

राय, श्री नित्यानन्द (उजियारपुर)

राय, श्रीमती माला (कोलकाता दक्षिण)

राय, श्रीमती संध्या (भिंड)

राव, श्री नामा नागेश्वर (खम्माम)

राव, श्री सोयम बापू (आदिलाबाद)

रावत, श्री अशोक कुमार (मिसरिख)

रावत, श्री उपेंद्र सिंह (बाराबंकी)

रावत, श्री तीरथ सिंह (गढ़वाल)

रिंकू, श्री सुशील कुमार (जालंधर)

रिजीजू, श्री किरेन (अरुणाचल पश्चिम)

रूडी, श्री राजीव प्रताप (सारण)

रेड्डप्प, श्री एन. (चित्तूर)

रेड्डी, डॉ. जी. रणजीत (चेवेल्ला)

रेड्डी, श्री अदला प्रभाकर (नेल्लोर)

रेड्डी, श्री जी. किशन ((सिकन्दराबाद)

रेड्डी, श्री पी.वी. मिधुन (राजमपेट)

रेड्डी, श्री पोचा ब्रह्मानंद (नान्दयाल)

रेड्डी, श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू (ओंगोले)

रेड्डी, श्री मन्ने श्रीनिवास (महबूबनगर)

रेड्डी, श्री वाई.एस. अविनाश (कडप्पा)

रेवन्ना, श्री प्रज्ज्वल (हसन)

लाल, श्री अक्षयवर (बहराइच)

लालरोसांगा, श्री सी. (मिजोरम)

लालवानी, श्री शंकर (इन्दौर)

लेखी, श्रीमती मीनाक्षी (नई दिल्ली)

लोखंडे, श्री सदाशिव किसान (शिर्डी)

लोधी, श्री घनश्याम सिंह (रामपुर)

लोन, श्री अकबर (बारामूला)

वर्धन, डॉ. हर्ष (चाँदनी चौक)

वर्मा, श्री प्रवेश साहिब सिंह (पश्चिमी दिल्ली)

वर्मा, श्री भानु प्रताप सिंह (जालौन)

वर्मा, श्री राजेश (सीतापुर)

वर्मा, श्री राम शिरोमणि (श्रावस्ती)

वर्मा, श्रीमती रेखा अरुण (धौरहरा)

वल्लभनेनी, श्री बालाशौरी (मछलीपटनम)

वसावा, श्री प्रभुभाई नागरभाई (बारदौली)

वसावा, श्री मनसुखभाई धनजीभाई (भरूच)

विखे पाटील, डॉ. सुजय (अहमदनगर)

विचारे, श्री राजन बाबूराव (ठाणे)

विजयकुमार उर्फ विजय वसंत, श्री (कन्याकुमारी)

विष्णु प्रसाद, डॉ. एम.के. (अरानी)

वीरास्वामी, डॉ. कलानिधि (चेन्नई उत्तर)

वेंकटेशन, श्री एस. (मदुरै)

वेलुसामी, श्री पी. (डिण्डीगुल)

वैथिलिंगम, श्री वी. (पुडुचेरी)

शइकीया, श्री दिलीप (मंगलदोई)

शर्मा, डॉ. अरविन्द कुमार (रोहतक)

शर्मा, डॉ. महेश (गौतम बुद्ध नगर)

शर्मा, श्री अनुराग (झाँसी)

शर्मा, श्री कुलदीप राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह)

शर्मा, श्री जुगल किशोर (जम्मू)

शर्मा, श्री विष्णु दत्त (खजुराहो)

शाह, श्री अमित (गांधीनगर)

शाह, श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी (टिहरी गढ़वाल)

शिंगरी, डॉ. संजीव कुमार (कुरनूल)

शिंदे, डॉ. श्रीकांत एकनाथ (कल्याण)

शेखावत, श्री गजेन्द्र सिंह (जोधपुर)

शेजवलकर, श्री विवेक नारायण (ग्वालियर)

शेट्टी, श्री गोपाल (मुम्बई उत्तर)

शेवाले, श्री राहुल रमेश (मुम्बई दक्षिण-मध्य)

श्याल, डॉ. भारतीबेन डी. (भावनगर)

श्रंगारे, श्री सुधाकर तुकाराम (लातूर)

श्रीकंदन, श्री वी.के. (पालक्काड़)

श्रीनिवास, श्री केसिनेनी (विजयवाड़ा)

षडङ्गी, श्री प्रताप चंद्र (बालासोर)

षणमुग सुंदरम, श्री के. (पोल्लाची)

संगमा, कुमारी अगाथा के. (तुरा)

सत्यनारायण, श्री एम.वी.वी. (विशाखापटनम)

सत्यवती, डॉ. बीसेट्टी वेंकट (अनकापल्ले)

सदीक, श्री मोहम्मद (फरीदकोट)

समदानी, डॉ. एम. पी. अबदुस्समद (मलप्पुरम)

सरकार, डॉ. सुभाष (बांकुरा)

सरकार, श्री जगन्नाथ (रणघाट)

सरनीया,श्री नव कुमार (कोकराझार)

सरस्वती, श्री सुमेधानन्द (सीकर)

सर्दिन्हा, श्री फ्रांसिस्को (दक्षिण गोवा)

सागर, श्री अरुण कुमार (शाहजहाँपुर)

सामंत, प्रो. अच्युतानंद (कंधमाल)

सारंगी, श्रीमती अपराजिता (भुवनेश्वर)

सावंत, श्री अरविंद (मुम्बई दक्षिण)

साहु, श्री चुन्नी लाल (महासमुन्द)

साहू, श्री चंद्र शेखर (बरहामपुर)

साहू, श्री महेश (धेन्कानल)

सिंह (राजू भैय्या), श्री राजवीर (एटा)

सिंह देव, श्रीमती संगीता कुमारी (बोलांगीर)

सिंह 'ललन', श्री राजीव रंजन (मुंगेर)

सिंह, जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. वी. के. (गाजियाबाद)

सिंह, डॉ. अमर (फतेहगढ़ साहिब)

सिंह, डॉ. जितेन्द्र (उधमपुर)

सिंह, डॉ. सत्यपाल (बागपत)

सिंह, राव इंद्रजीत (गुड़गांव)

सिंह, श्री अतुल कुमार *उर्फ* अतुल राय (घोसी)

सिंह, श्री अर्जुन (बैरकपुर)

सिंह, श्री आर. के. (आरा)

सिंह, श्री कीर्ति वर्धन (गौंडा)

सिंह, श्री गणेश (सतना)

सिंह, श्री गिरिराज (बेगूसराय)

सिंह, श्री चन्दन (नवादा)

सिंह, श्री दुष्यंत (झालावाड़-बारां)

सिंह, श्री धर्मवीर (भिवानी-महेन्द्रगढ़)

सिंह, श्री पशुपति नाथ (धनबाद)

सिंह, श्री प्रदीप कुमार (अररिया)

सिंह, श्री बृजभूषण शरण (कैसरगंज)

सिंह, श्री बृजेन्द्र (हिसार)

सिंह, श्री भोला (बुलंदशहर)

सिंह, श्री महाबली (काराकाट)

सिंह, श्री रवनीत (लुधियाना)

सिंह, श्री राजनाथ (लखनऊ)

सिंह, श्री राजबहादुर (सागर)

सिंह, श्री राधा मोहन (पूर्वी चंपारण)

सिंह, श्री लल्लू (फैजाबाद)

सिंह, श्री वीरेन्द्र (बलिया)

सिंह, श्री सुनील कुमार (चतरा)

सिंह, श्री सुशील कुमार (औरंगाबाद)

सिंह, श्रीमती कविता (सिवान)

सिंह, श्रीमती प्रतिभा (मंडी)

सिंह, श्रीमती हिमाद्री (शहडोल)

सिगामणि, डॉ. पोन गौतम (कल्लाकुरिची)

सिद्देश्वर, श्री जी. एम. (दावनगेरे)

सिन्हा, श्री जयंत (हज़ारीबाग)

सिन्हा, श्री शत्रुघ्न (आसनसोल)

सिम्हा, श्री प्रताप (मैसूर)

सीग्रीवाल, श्री जनार्दन सिंह (महाराजगंज)

सुधाकरन, श्री के. (कन्नूर)

सुब्बा, श्री इंद्रा हांग (सिक्किम)

सुब्बारायण, श्री के. (तिरूप्पुर)

सुमन, डॉ. आलोक कुमार (गोपालगंज)

सुरेश, श्री कोडिकुन्नील (मावेलीक्करा)

सुरेश, श्री डी.के. (बंगलौर ग्रामीण)

सुरेश, श्री नंदीगम (बापटला)

सुले, श्रीमती सुप्रिया सदानंद (बारामती)

सूर्या, श्री तेजस्वी (बंगलौर दक्षिण)

सेंथिलकुमार एस., डॉ. डी.एन.वी. (धर्मापुरी)

सेठ, श्री संजय (राँची)

सेठी, श्रीमती शर्मिष्ठा (जाजपुर)

सेल्वम, श्री जी. (कांचीपुरम)

सेल्वराज, श्री एम. (नगापट्टिनम)

सैनी, श्री नायब सिंह (कुरूक्षेत्र)

सोनकर, श्री विनोद कुमार (कौशाम्बी)

सोनी, श्री सुनील कुमार (रायपुर)

सोरेन, श्री सुनील (दुमका)

सोलंकी, डॉ.(प्रो.) किरिट प्रेमजीभाई (अहमदाबाद पश्चिम)

सोलंकी, श्री महेंद्र सिंह (देवास)

स्वामी, श्री ए. नारायण (चित्रदुर्ग)

स्वामीजी, डॉ. जयसिद्धेश्वर शिवाचार्य (शोलापुर)

हंस, श्री हंस राज (उत्तर-पश्चिम दिल्ली)

हरिदास, कुमरी राम्या (अलथूर)

हसन, डॉ. एस.टी. (मुरादाबाद)

हांसदाक, श्री विजय कुमार (राजमहल)

हेगड़े, श्री अनंतकुमार (उत्तर कन्नड़)

हेमामालिनी, श्रीमती (मथुरा)

हेम्ब्रम, श्री कुनार (झाड़ग्राम)

लोक सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष

श्री ओम बिरला

सभापति तालिका

श्रीमती रमा देवी

डॉ.(प्रो.) किरिट प्रेमजीभाई सोलंकी

श्री राजेन्द्र अग्रवाल

श्री कोडिकुन्नील सुरेश

श्री ए. राजा

श्री पी.वी. मिधुन रेड्डी

श्री भर्तृहरि महताब

श्री एन.के. प्रेमचन्द्रन

डॉ. काकोली घोष दस्तीदार

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे

महासचिव

श्री उत्पल कुमार सिंह

मंत्रिपरिषद्

कैबिनेट मंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी	प्रधानमंत्री तथा निम्न मंत्रालयों/विभागों के भी प्रभारीः (1) कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय; (2) परमाणु ऊर्जा विभाग; (3) अंतरिक्ष विभाग और सभी महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दे और अन्य सभी विभाग जो किसी अन्य मंत्री को आबंटित नहीं किए गए हैं।
श्री राज नाथ सिंह	रक्षा मंत्री
श्री अमित शाह	गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री
श्री नितिन जयराम गडकरी	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
श्रीमती निर्मला सीतारमण	वित्त मंत्री तथा कारपोरेट कार्य मंत्री
डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर	विदेश मंत्री

श्री अर्जुन मुंडा	जनजातीय कार्य मंत्री और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी	महिला और बाल विकास मंत्री तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री
श्री पीयूष गोयल	वाणिज्य और उद्योग मंत्री; उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री तथा वस्त्र मंत्री
श्री धर्मेन्द्र प्रधान	शिक्षा मंत्री तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री
श्री प्रहलाद जोशी	संसदीय कार्य मंत्री; कोयला मंत्री तथा खान मंत्री
श्री नारायण राणे	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री

श्री सर्बानंद सोनोवाल	पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री तथा आयुष मंत्री
डॉ. वीरेन्द्र कुमार	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री
श्री गिरिराज सिंह	ग्रामीण विकास मंत्री और पंचायती राज मंत्री
श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया	नागर विमानन मंत्री तथा इस्पात मंत्री
श्री अश्वानी वैष्णव	रेल मंत्री; संचार मंत्री तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
श्री पशुपति कुमार पारस	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री
श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत	जल शक्ति मंत्री
श्री किरेन रिजीजू	पृथ्वी विज्ञान मंत्री

श्री आर. के. सिंह	विद्युत मंत्री तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री
श्री हरदीप सिंह पुरी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री तथा आवासन और शहरी कार्य मंत्री
श्री मनसुख मांडविया	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा रसायन और उर्वरक मंत्री
श्री भूपेन्द्र यादव	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा श्रम और रोजगार मंत्री
डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय	भारी उद्योग मंत्री
श्री परशोत्तम रूपाला	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में मंत्री
श्री जी. किशन रेड्डी	संस्कृति मंत्रालय; पर्यटन मंत्रालय तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय में मंत्री

श्री अनुराग सिंह ठाकुर	सूचना और प्रसारण मंत्री तथा युवक कार्यक्रम और खेल मंत्री

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

राव इंद्रजीत सिंह	सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री; योजना मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. जितेंद्र सिंह	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री; प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री; कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री; परमाणु ऊर्जा विभाग में राज्य मंत्री और अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री
श्री अर्जुन राम मेघवाल	विधि और न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री; संसदीय कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री और संस्कृति मंत्रालय के राज्य मंत्री

राज्य मंत्री

श्री श्रीपाद नाईक	पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री फग्गन सिंह कुलस्ते	इस्पात मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री अश्विनी कुमार चौबे	उपभोक्ता मामलों, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में राज्य मंत्री
जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. वी. के. सिंह	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री कृष्ण पाल	विद्युत् मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री दानवे रावसाहेब दादाराव	रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री; कोयला मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा खान मंत्रालय में राज्य मंत्री

श्री रामदास अठावले	सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री
साध्वी निरंजन ज्योति	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. संजीव कुमार बालियान	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री नित्यानन्द राय	गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री पंकज चौधरी	वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती अनुप्रिया पटेल	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
प्रो. एस.पी. सिंह बघेल	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

श्री राजीव चन्द्रशेखर	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में राज्य मंत्री; इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री और जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री
कुमारी शोभा कारान्दलाजे	विकास कौशल और उद्यमिता मंत्रालय में राज्य मंत्री; इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना मंत्रालय में राज्य मंत्री और जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश	वस्त्र मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री वी. मुरलीधरन	विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री

श्रीमती मीनाक्षी लेखी	विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री सोम प्रकाश	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री रामेश्वर तेली	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस में राज्य मंत्री तथा श्रम और रोजगार मंत्रालय के राज्य मंत्री
श्री कैलाश चौधरी	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती अन्नपुर्णा देवी	शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री ए. नारायणस्वामी	सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री कौशल किशोर	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री
एडवोकेट अजय भट्ट	रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री

श्री बी.एल. वर्मा	उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री अजय मिश्रा टेनी	गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री देवुसिंह चौहान	संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री भगवंत खुबा	नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री कपिल मोरेश्वर पाटिल	पंचायती राज मंत्रालय में राज्य मंत्री
कुमारी प्रतिमा भौमिक	सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. सुभाष सरकार	शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. भागवत कराड	वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री

डॉ. आर.के. रंजन सिंह	विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री और शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. भारती प्रवीण पवार	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री और जनजातीय मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री।
इंजीनियर बिश्वेश्वर टुडु	जनजातीय मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री शान्तनु ठाकुर	बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. (प्रो.) महेन्द्र मुंजपरा	महिला और बाल विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा आयुष मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री जॉन बर्ला	अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री

डॉ. एल. मुरुगन	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री निशीथ प्रामाणिक	गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री और युवक कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में राज्य मंत्री

लोक सभा वाद-विवाद

खंड 29 सत्रहवीं लोक सभा के पंद्रहवें सत्र का पहला दिन अंक 1

लोक सभा

बुधवार, 31 जनवरी, 2024 / 11 माघ, 1945 (शक)

लोक सभा अपराह्न बारह बजकर सत्तावन मिनट पर समवेत हुई।

[**माननीय अध्यक्ष** *पीठासीन हुए*]

राष्ट्रगान

राष्ट्रगान की धुन बजाई गई।

अपराह्न 12.57½ बजे

अध्यक्ष द्वारा टिप्पणी

नियम 384 में छूट देते हुए राष्ट्रपति के अभिभाषण के स्थान के रूप में लोक सभा कक्ष के उपयोग का प्रस्ताव

[हिन्दी]

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, जैसा कि आप जानते हैं, भारत के संविधान के अनुच्छेद 87 के अनुसार, प्रत्येक वर्ष के पहले सत्र के आरंभ में, राष्ट्रपति एक साथ समवेत दोनों सभाओं को संबोधित करते हैं।

राष्ट्रपति के अभिभाषण में दोनों सभाओं के सभी सदस्य बिना किसी कठिनाई के उपस्थित हो सकें, इसलिए मैं इस सभा की ओर से लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियम के नियम 384 में छूट देते हुए इस कक्ष का उपयोग राष्ट्रपति के अभिभाषण के स्थान के रूप में करने के प्रस्ताव पर सहमत हूँ।

मैं आशा करता हूँ कि सभा इससे सहमत होगी।

अनेक माननीय सदस्य : जी हाँ।

माननीय अध्यक्ष: आइटम नं. 1, महासचिव।

<u>अपराह्न 12.58 बजे</u>

राष्ट्रपति का अभिभाषण*

[अनुवाद]

महासचिव: मैं 31 जनवरी, 2024 को एक साथ समवेत संसद की दोनों सभाओं के समक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण की एक प्रति सभा पटल पर रखता हूँ।

[हिन्दी] **माननीय सदस्यगण,

इस नए संसद भवन में यह मेरा पहला संबोधन है। आज़ादी के अमृतकाल की शुरुआत में यह भव्य भवन बना है। यहां एक भारत श्रेष्ठ भारत की महक भी है। भारत की सभ्यता और संस्कृति की चेतना भी है। इसमें, हमारी लोकतांत्रिक और संसदीय परंपराओं के सम्मान का प्रण भी है। साथ ही, 21वीं सदी के नए भारत के लिए, नई परंपराओं के निर्माण का संकल्प भी है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस नए भवन में नीतियों पर सार्थक संवाद होगा। ऐसी नीतियां जो आज़ादी के अमृतकाल में विकसित भारत का निर्माण करेंगी। मैं आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देती हूं।

माननीय सदस्यगण, यह हमारे संविधान के लागू होने का भी 75वां वर्ष है। इसी कालखंड में आज़ादी के 75 वर्ष का उत्सव, अमृत महोत्सव भी संपन्न हुआ है। इस दौरान देश भर में अनेक कार्यक्रम हुए। देश ने अपने गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया। 75 साल बाद युवा पीढ़ी ने फिर स्वतन्त्रता संग्राम के उस कालखंड को जिया।

इस उत्सव के दौरान मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत, देश भर के हर गाँव की मिट्टी के साथ अमृत कलश दिल्ली लाए गए। 2 लाख से ज्यादा शिला-फलकम स्थापित किए गए। 3 करोड़ से ज्यादा

---

*सभा पटल पर रखा गया और ग्रंथालय में भी रखा गया, देखिए संख्या एल.टी. 11007/17/24

** भारत के संसद भवन (संसद के नए भवन) में भारत की राष्ट्रपति महामाहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने अपना अभिभाषण हिन्दी में दिया और उप-राष्ट्रपति महामाहिम श्री जगदीप धनखड़ द्वारा अभिभाषण का अंग्रेजी पाठ पढ़ा गया।

लोगों ने पंच प्राण की शपथ ली। 70 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर बने। 2 लाख से ज्यादा अमृत वाटिकाओं का निर्माण हुआ। 2 करोड़ से ज्यादा पेड़-पौधे लगाए गए। 16 करोड़ से ज्यादा लोगों ने तिरंगे के साथ सेल्फी अपलोड की।

अमृत महोत्सव के दौरान ही कर्तव्य पथ पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थापित की गई। राजधानी दिल्ली में देश के अब तक के सभी प्रधानमंत्रियों को समर्पित म्यूजियम खोला गया। शांति निकेतन और होयसला मंदिर वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल हुए। साहिबज़ादों की याद में वीर बाल दिवस घोषित हुआ। भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिवस को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया गया। विभाजन की विभीषिका को याद करते हुए, 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस घोषित किया गया।

माननीय सदस्यगण, बीता वर्ष भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियों से भरा रहा है। इस दौरान देशवासियों का गौरव बढ़ाने वाले अनेक पल आए। दुनिया में गंभीर संकटों के बीच भारत सबसे तेज़ी से विकसित होती बड़ी अर्थव्यवस्था बना। लगातार 2 क्वार्टर में भारत की विकास दर 7.5 प्रतिशत से ऊपर रही है। भारत, चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर झंडा फहराने वाला पहला देश बना। भारत ने सफलता के साथ आदित्य मिशन लॉन्च किया, धरती से 15 लाख किलोमीटर दूर अपनी सैटेलाइट पहुंचाई। ऐतिहासिक जी-20 सम्मेलन की सफलता ने पूरे विश्व में भारत की भूमिका को सशक्त किया। भारत ने एशियाई खेलों में पहली बार 100 से अधिक मेडल जीते। पैरा एशियाई खेलों में भी 100 से अधिक मेडल जीते। भारत को अपना सबसे बड़ा समुद्री-पुल, अटल सेतु मिला। भारत को अपनी पहली नमो भारत ट्रेन तथा पहली अमृत भारत ट्रेन मिली। भारत, दुनिया में सबसे तेज़ी से 5जी रोलआउट करने वाला देश बना। भारतीय एयरलाइंस कंपनी ने दुनिया की सबसे बड़ी एयरक्राफ्ट डील की। पिछले साल भी, मेरी सरकार ने, मिशन मोड में, लाखों युवाओं को सरकारी नौकरी दी है।

माननीय सदस्यगण, बीते 12 महीनों में मेरी सरकार अनेक महत्वपूर्ण विधेयक लेकर भी आई। ये विधेयक, आप सभी संसद सदस्यों के सहयोग से आज कानून बन चुके हैं। ये ऐसे कानून हैं जो विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि का मजबूत आधार हैं। 3 दशक बाद, नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करने के लिए मैं आपकी सराहना करती हूं। इससे लोक सभा और विधानसभा में महिलाओं की ज्यादा भागीदारी

सुनिश्चित हुई है। यह वीमेन लेड डेवलपमेंट के मेरी सरकार के संकल्प को मजबूत करता है। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के अपने कमिटमेंट को मेरी सरकार ने लगातार जारी रखा है। गुलामी के कालखंड से प्रेरित क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम अब इतिहास हो गया है। अब दंड को नहीं, अपितु न्याय को प्राथमिकता है। 'न्याय सर्वोपरि' के सिद्धांत पर नई न्याय संहिता देश को मिली है। डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम से डिजिटल स्पेस और सुरक्षित होने वाला है। अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन अधिनियम से देश में रिसर्च और इनोवेशन को बल मिलेगा। जम्मू और कश्मीर आरक्षण कानून से, वहां भी जनजातीय समुदायों को प्रतिनिधित्व का अधिकार मिलेगा। इस दौरान सेंट्रल यूनिवर्सिटी कानून में भी संशोधन किया गया। इससे तेलंगाना में समक्का सरक्का सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी बनाने का रास्ता सुगम हुआ।

पिछले वर्ष 76 अन्य पुराने कानूनों को भी हटाया गया है। मेरी सरकार परीक्षाओं में होने वाली गड़बड़ी को लेकर युवाओं की चिंता से अवगत है। इसलिए ऐसे गलत तरीकों पर सख्ती के लिए नया कानून बनाने का निर्णय लिया गया है।

माननीय सदस्यगण, कोई भी राष्ट्र, तेज गति से तभी आगे बढ़ सकता है, जब वह पुरानी चुनौतियों को परास्त करते हुए अपनी ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा भविष्य- निर्माण में लगाए। पिछले 10 वर्षों में, भारत ने राष्ट्र-हित में ऐसे अनेक कार्यों को पूरा होते हुए देखा है जिनका इंतजार देश के लोगों को दशकों से था। राम मंदिर के निर्माण की आकांक्षा सदियों से थी। आज यह सच हो चुका है। जम्मू कश्मीर से आर्टिकल-370 हटाने को लेकर शंकाएं थीं। आज वे इतिहास हो चुकी हैं। इसी संसद ने तीन तलाक के विरुद्ध कड़ा कानून बनाया। इसी संसद ने हमारे पड़ोसी देशों से आए पीड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने वाला कानून बनाया। मेरी सरकार ने वन रैंक वन पेंशन को भी लागू किया, जिसका इंतजार चार दशकों से था। वन रैंक वन पेंशन (ओ.आर.ओ.पी) लागू होने के बाद अब तक पूर्व सैनिकों को लगभग 1 लाख करोड़ रुपए मिल चुके हैं। भारतीय सेना में पहली बार चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति भी हुई है।

माननीय सदस्यगण, उत्कलमणि पंडित गोपबंधु दास की अमर पंक्तियां असीम राष्ट्र प्रेम की भावना का सदा संचार करती हैं। उन्होंने कहा था:

मिशु मोर देह ए देश माटिरे,

देशबासी चालि जाआन्तु पिठिरे।

देशर स्वराज्य-पथे जेते गाड़,

पूरु तहिं पड़ि मोर मांस हाड़।

अर्थात्

मेरा शरीर इस देश की माटी के साथ मिल जाए,

देशवासी मेरी पीठ पर से चलते चले जाएं,

देश के स्वराज्य-पथ में जितनी भी खाइयां हैं,

वे मेरे हाड़-मांस से पट जाएं।

इन पंक्तियों में हमें कर्तव्य की पराकाष्ठा दिखती है, 'राष्ट्र सर्वोपरि' का आदर्श दिखाई देता है।

ये उपलब्धियां जो आज दिख रही हैं, वे बीते 10 वर्षों की साधना का विस्तार हैं। हम सभी बचपन से गरीबी हटाओ के नारे सुनते आ रहे थे। अब हम जीवन में पहली बार बड़े पैमाने पर गरीबी को दूर होते देख रहे हैं। नीति आयोग के अनुसार, मेरी सरकार के एक दशक के कार्यकाल में, करीब 25 करोड़ देशवासी गरीबी से बाहर निकले हैं। यह प्रत्येक गरीब में नया विश्वास जगाने वाली बात है। जब 25 करोड़ लोगों की गरीबी दूर हो सकती है तो उसकी भी गरीबी दूर हो सकती है।

आज अर्थव्यवस्था के विभिन्न आयामों को देखें तो यह विश्वास बढ़ता है कि भारत सही दिशा में है तथा सही निर्णय लेते हुए आगे बढ़ रहा है। बीते 10 वर्षों में हमने भारत को फ्रैजाइल फाइव से निकलकर, टॉप फाइव इकॉनॉमीज़ में शामिल होते देखा है। भारत का निर्यात, करीब 450 बिलियन डॉलर से बढ़कर 775 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। पहले की तुलना में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ.डी.आई) दोगुना हुआ है। खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों की बिक्री में 4 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। आयकर विवरणी (आई.टी.आर) फाइल करने वालों की संख्या, करीब सवा 3 करोड़ से बढ़कर लगभग सवा 8 करोड़ हो

चुकी है; यह बढ़ोतरी, दो गुना से भी कहीं अधिक है। एक दशक पहले देश में केवल कुछ सौ स्टार्ट-अप थे जो आज बढ़कर 1 लाख से अधिक हो गए हैं। साल में 94 हज़ार कंपनियां रजिस्टर हुईं थीं। पिछले वर्ष, यह संख्या 1 लाख 60 हज़ार तक पहुंच चुकी है। दिसंबर 2017 में, 98 लाख लोग माल एवं सेवा कर (जी.एस.टी) देते थे, आज इनकी संख्या 1 करोड़ 40 लाख है। 2014 से पहले के 10 वर्षों में, लगभग 13 करोड़ वाहन बिके थे। पिछले 10 वर्षों में, देशवासियों ने 21 करोड़ से अधिक वाहन खरीदे हैं। 2014-15 में, लगभग 2 हज़ार इलेक्ट्रिक वाहन बिके थे। जबकि 2023-24 में दिसंबर माह तक ही लगभग 12 लाख इलेक्ट्रिक वाहन बिक चुके हैं।

माननीय सदस्यगण, बीते दशक में, मेरी सरकार ने सुशासन और पारदर्शिता को हर व्यवस्था का मुख्य आधार बनाया है। इसी का परिणाम है कि हम बड़े आर्थिक सुधारों के साक्षी बने हैं। इस दौरान देश को दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता मिली है। देश को जी.एस.टी. के रूप में एक देश एक कर कानून मिला है। मेरी सरकार ने मैक्रो इकनॉमिक स्टेबिलिटी भी सुनिश्चित की है। 10 वर्षों में, कैपेक्स 5 गुना बढ़कर 10 लाख करोड़ हो गया है। साथ ही, फिस्कल डेफिसिट भी नियंत्रण में है। आज हमारे फोरेक्स रिज़र्व 600 अरब डॉलर से ज्यादा हैं। हमारा बैंकिंग सिस्टम जो पहले बुरी तरह से चरमराया था, वह आज दुनिया के सबसे मजबूत बैंकिंग सिस्टम में से एक बना है। बैंकों का एन.पी.ए. जो कभी डबल डिजिट में होता था, वह आज लगभग 4 प्रतिशत ही है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान हमारी ताकत बन चुके हैं।

भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता देश है। पिछले एक दशक के दौरान मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग में 5 गुना बढ़ोतरी हुई है। कुछ साल पहले भारत खिलौने आयात करता था, आज मेड इन इंडिया खिलौने निर्यात कर रहा है। भारत का डिफेंस प्रोडक्शन एक लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच चुका है। आज हर भारतीय, देश में बने एयरक्राफ्ट करियर आई.एन.एस. विक्रांत को देखकर, गर्व से भरा हुआ है। लड़ाकू विमान तेजस अब हमारी वायुसेना की ताकत बन रहे हैं। सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का निर्माण भारत में होने जा रहा है। आधुनिक एयरक्राफ्ट इंजन भी भारत में बनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में डिफेन्स कॉरिडोर का विकास हो रहा है। मेरी सरकार ने डिफेंस सेक्टर में निजी क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित की है। स्पेस सेक्टर को भी हमारी सरकार ने युवा स्टार्ट-अप्स के लिए खोल दिया है।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार, वेल्थ क्रिएटर्स का सम्मान करती है तथा भारत के प्राइवेट सेक्टर के सामर्थ्य पर विश्वास करती है। भारत में बिजनेस करना आसान हो, इसके लिए उपयुक्त माहौल रहे, इस पर भी मेरी सरकार लगातार काम कर रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में लगातार सुधार हो रहा है। बीते कुछ वर्षों में 40 हजार से ज्यादा अनुपालन हटाए या सरल किये गए। कंपनी अधिनियम तथा सीमित देयता भागीदारी अधिनियम में 63 प्रावधानों को अपराध की सूची से बाहर किया गया। जन विश्वास अधिनियम द्वारा 183 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। अदालत के बाहर विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान हेतु, मध्यस्थता पर कानून बनाया गया है। वन और पर्यावरण विभाग से क्लीयरेंस मिलने में जहां 600 दिन लगते थे, वहीं आज 75 दिन से भी कम समय लगता है। फेसलेस असेसमेंट योजना से टैक्स व्यवस्था में और पारदर्शिता आई है।

माननीय सदस्यगण, हमारे एम.एस.एम.ई. सेक्टर को भी, रिफॉर्म्स का बहुत अधिक लाभ हो रहा है। आप अवगत हैं कि हमारे एम.एस.एम.ई.में आज करोड़ों देशवासी काम कर रहे हैं। एम.एस.एम.ई.और लघु उद्यमियों को सशक्त करने के लिए मेरी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। एम.एस.एम.ई.की परिभाषा का विस्तार किया गया है। नई परिभाषाओं में, निवेश और टर्न-ओवरको समाहित किया गया है। आज उद्यम और उद्यम असिस्ट पोर्टल पर लगभग साढ़े 3 करोड़ एम.एस.एम.ई.रजिस्टर्ड हैं। बीते वर्षों में, एम.एस.एम.ई के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम के तहत करीब 5 लाख करोड़ की गारंटी स्वीकृत की गई है। यह 2014 से पहले के दशक से, 6 गुना अधिक है।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार का एक और बड़ा रिफॉर्म, डिजिटल इंडिया का निर्माण है। डिजिटल इंडिया ने भारत में जीवन और बिजनेस, दोनों को बहुत आसान बना दिया है। आज पूरी दुनिया मानती है कि यह भारत की बहुत बड़ी उपलब्धि है। विकसित देशों में भी भारत जैसा डिजिटल सिस्टम नहीं है। गांवों में भी सामान्य खरीद-बिक्री डिजिटल तरीके से होगी, यह कुछ लोगों की कल्पना से भी परे था। आज दुनिया के कुल रियल टाइम डिजिटल लेनदेन का 46 प्रतिशत भारत में होता है। पिछले महीने यू.पी.आई.से रिकॉर्ड 1200 करोड़ ट्रांजेक्शन हुए हैं। इसके तहत 18 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड लेनदेन हुआ है। दुनिया के दूसरे देश भी आज यू.पी.आई.से ट्रांजेक्शन की सुविधा दे रहे हैं। डिजिटल इंडिया के

कारण बैंकिंग आसान हुई है और लोन देना भी सरल हुआ है। जनधन आधार मोबाइल (जे.ए.एम) की त्रिशक्ति से भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में मदद मिली है। मेरी सरकार अब तक 34 लाख करोड़ रुपए डीबीटी से ट्रांसफर कर चुकी है। जनधन आधार मोबाइल (जे.ए.एम.) के कारण करीब 10 करोड़ फर्जी लाभार्थी सिस्टम से बाहर किए गए हैं। इससे पौने 3 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचे हैं डिजिलॉकर की सुविधा भी जीवन को आसान बना रही है। इसमें अभी तक यूजर्स के 6 बिलियन से ज्यादा डॉक्यूमेंट्स जारी हुए हैं। आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट के तहत लगभग 53 करोड़ लोगों की डिजिटल हेल्थ आईडी बन चुकी है।

माननीय सदस्यगण, डिजिटल के साथ-साथ फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी रिकॉर्ड निवेश हुआ है। आज भारत में ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर बन रहा है, जिसका सपना हर भारतीय देखता था। पिछले 10 वर्षों के दौरान गांवों में पौने 4 लाख किलोमीटर नई सड़कें बनीं हैं। नेशनल हाईवे की लंबाई, 90 हजार किलोमीटर से बढ़कर 1 लाख 46 हजार किलोमीटर हुई है। फोर-लेन नेशनल हाइवे की लंबाई ढाई गुना बढ़ी है। हाई-स्पीड कॉरिडोर की लंबाई 500 किलोमीटर थी, जो आज 4 हजार किलोमीटर है। एयरपोर्ट्स की संख्या 74 से दो गुना बढ़कर 149 हो चुकी है। देश के बड़े बंदरगाहों पर कार्गो प्रबंधन क्षमता दोगुनी हो गई है। ब्रॉडबैंड इस्तेमाल करने वालों की संख्या में 14 गुना बढ़ोतरी हुई है। देश की लगभग 2 लाख गांव पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा जा चुका है। 4 लाख से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर्स भी खुले हैं जो रोजगार का बड़ा माध्यम बने हैं। देश में 10 हजार किलोमीटर गैस पाइपलाइन भी बिछाई गई है। वन नेशन, वन पावर ग्रिड से, बिजली की व्यवस्था में सुधार हुआ है। वन नेशन, वन गैस ग्रिड से, गैस आधारित अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। सिर्फ 5 शहरों तक सीमित मेट्रो की सुविधा आज 20 शहरों में है। 25 हजार किलोमीटर से ज्यादा रेलवे ट्रैक बिछाए गए। यह कई विकसित देशों के कुल रेलवे ट्रैक की लंबाई से ज्यादा है। भारत, रेलवे के शत-प्रतिशत बिजलीकरण के बहुत निकट है। इस दौरान भारत में पहली बार सेमी हाई स्पीड ट्रेन शुरु हुई हैं। आज 39 से ज्यादा रूट्स पर वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1300 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प हो रहा है।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार मानती है कि विकसित भारत की भव्य इमारत 4 मज़बूत स्तंभों पर खड़ी होगी। ये स्तंभ हैं - युवाशक्ति, नारीशक्ति, किसान और गरीब। देश के हर हिस्से, हर समाज में इन सभी की स्थिति और सपने एक जैसे ही हैं। इसलिए इन 4 स्तंभों को सशक्त करने के लिए मेरी सरकार निरंतर काम कर रही है। मेरी सरकार ने टैक्स का बहुत बड़ा हिस्सा इन स्तंभों को मजबूत बनाने पर खर्च किया है। 4 करोड़ 10 लाख गरीब परिवारों को अपना पक्का घर मिला। इस पर लगभग 6 लाख करोड़ रुपये खर्च किये गए। लगभग 11 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक पहली बार पाइप से पानी पहुंचा है। इस पर 4 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। हाल में ही 10 करोड़ उज्ज्वला के गैस कनेक्शन पूरे हुए हैं। आज इन लाभार्थी बहनों को बहुत सस्ती गैस भी दी जा रही है। इस पर भी सरकार द्वारा ढाई लाख करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। कोरोना काल से ही 80 करोड़ देशवासियों को मुफ्त राशन दिया जारहा है। अब इसे आने वाले 5 वर्षों के लिए आगे बढ़ाया गया है। अब इस पर 11 लाख करोड़ रुपए और खर्च होने का अनुमान है।

मेरी सरकार का प्रयास है कि हर योजना का तेज़ी से सैचुरेशन हो। कोई भी लाभार्थी वंचित न रहे। इसके लिए 15 नवंबर से विकसित भारत संकल्प यात्रा चल रही है। अभी तक इस यात्रा से करीब 19 करोड़ देशवासी जुड़ चुके हैं।

माननीय सदस्यगण, बीते वर्षों में विश्व ने दो बड़े युद्ध देखे और कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का सामना किया। ऐसे वैश्विक संकटों के बावजूद मेरी सरकार ने देश में महंगाई को काबू में रखा, सामान्य भारतीय का बोझ नहीं बढ़ने दिया। 2014 से पहले के 10 वर्षों में औसत महंगाई दर 8 प्रतिशत से अधिक थी। पिछले दशक में औसत महंगाई दर 5 प्रतिशत रही। मेरी सरकार का प्रयास रहा है कि सामान्य देशवासी की जेब में अधिक से अधिक बचत कैसे हो। पहले भारत में 2 लाख रुपए की आय पर टैक्स लग जाता था। आज भारत में 7 लाख रुपए तक की आय पर भी टैक्स नहीं लगता। टैक्स छूट और रिफॉर्म्स के कारण भारत के टैक्सपेयर्स को 10 साल में करीब ढाई लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है। आयुष्मान योजना के अलावा भी केंद्र सरकार, विभिन्न अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा देती है। इससे देश के नागरिकों के साढ़े तीन लाख करोड़ रुपए खर्च होने से बचे हैं। जन-औषधि केंद्रों की वजह से मरीजों के करीब 28 हजार करोड़ रुपए खर्च होने से बचे हैं। कोरोनोरी स्टेंट, घुटने के इंप्लांट तथा कैंसर की दवाओं की कीमत भी कम

की गई है। इससे मरीज़ों को हर वर्ष लगभग 27 हजार करोड़ रुपए की बचत हो रही है। मेरी सरकार, किडनी के मरीजों के लिए मुफ्त डायलिसिस का अभियान भी चला रही है। इसका लाभ प्रतिवर्ष 21 लाख से ज्यादा मरीज उठा रहे हैं। इनके प्रतिवर्ष एक लाख रुपए खर्च होने से बचे हैं। गरीबों को सस्ता राशन मिलता रहे, इसके लिए मेरी सरकार ने पिछले दशक में करीब 20 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

भारतीय रेल में यात्रा के लिए रेलवे, प्रत्येक टिकट पर, करीब 50 प्रतिशत डिस्काउंट देती है। इससे गरीब और मध्यम वर्ग के यात्रियों को हर वर्ष 60 हजार करोड़ रुपए की बचत होती है। गरीब और मध्यम वर्ग को कम कीमत पर हवाई टिकट मिल रहे हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत गरीब और मध्यम वर्ग को हवाई टिकटों पर 3 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की बचत हुई है। एल.ई.डी बल्ब की योजना के कारण, बिजली के बिलों में 20 हज़ार करोड़ रुपए से अधिक की बचत हुई है। जीवन ज्योति बीमा योजना और सुरक्षा बीमा योजना के तहत, गरीबों को 16 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की क्लेम राशि मिली है।

माननीय सदस्यगण, नारीशक्ति का सामर्थ्य बढ़ाने के लिए मेरी सरकार हर स्तर पर काम कर रही है।

इस वर्ष की गणतंत्र दिवस परेड भी नारीशक्ति के लिए समर्पित थी। इस परेड में दुनिया ने हमारी बेटियों के सामर्थ्य की झलक देखी। मेरी सरकार ने जल, थल, नभ और अंतरिक्ष, हर तरफ बेटियों की भूमिका का विस्तार किया है। हम सब जानते हैं कि महिलाओं के लिए आर्थिक स्वतंत्रता के क्या मायने हैं। मेरी सरकार ने महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। आज लगभग 10 करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ चुकी हैं। इन समूहों को 8 लाख करोड़ रुपए बैंक लोन और 40 हजार करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है। मेरी सरकार 2 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का अभियान चला रही है। नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत, समूहों को 15 हजार ड्रोन उपलब्ध कराये जा रहे हैं। मातृत्व अवकाश 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह करने से देश की लाखों महिलाओं को बहुत मदद मिली है। मेरी सरकार ने महिलाओं को पहली बार सशस्त्र बलों में परमानेंट कमीशन दिया है। पहली बार सैनिक स्कूलों और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में महिला कैडेट्स को प्रवेश दिया गया है। आज महिलाएं फाइटर पायलट भी हैं और नौसेना के जहाज को भी पहली बार कमांड कर रही हैं। मुद्रा योजना के तहत

जो 46 करोड़ से ज्यादा लोन दिए गए हैं उनमें करीब 31 करोड़ से ज्यादा लोन महिलाओं को मिले हैं। इस योजना से लाभ लेकर करोड़ों महिलाओं ने स्वरोजगार शुरु किया है।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार आज खेती को अधिक लाभकारी बनाने पर बल दे रही है। हमारा यह प्रयास है कि खेती में लागत कम हो और लाभ अधिक हो। मेरी सरकार ने पहली बार 10 करोड़ से अधिक छोटे किसानों को भी देश की कृषि नीति और योजनाओं में प्रमुखता दी है। पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत अब तक 2 लाख 80 हज़ार करोड़ रुपए, किसानों को मिल चुके हैं। 10 सालों में किसानों के लिए बैंक से आसान लोन में 3 गुना वृद्धि की गई है। प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों ने 30 हज़ार करोड़ रुपए प्रीमियम भरा। इसके बदले उन्हें डेढ़ लाख करोड़ रुपए का क्लेम मिला है। पिछले 10 वर्षों में, लगभग 18 लाख करोड़ रुपए एम.एस.पी. के रूप में धान और गेहूं की खेती करने वाले किसानों को मिले हैं। यह 2014 से पहले के 10 सालों की तुलना में ढाई गुना अधिक है। पहले तिलहन और दलहन फसलों की सरकारी खरीद नहीं के बराबर थी। पिछले दशक में तिलहन और दलहन की खेती करने वाले किसानों को एम.एस.पी.के रूप में सवा लाख करोड़ रुपए मिले हैं। यह मेरी ही सरकार है जिसने पहली बार देश में कृषि निर्यात नीति बनाई है। इससे एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट, 4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचा है। किसानों को सस्ती खाद मिले, इसके लिए 10 सालों में 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए गए हैं। मेरी सरकार ने पौने दो लाख से ज्यादा प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र स्थापित किए हैं। अभी तक लगभग 8 हज़ार किसान उत्पादक संघ-एफ.पी.ओ.बनाए जा चुके हैं। मेरी सरकार कृषि में सहकारिता को बढ़ावा दे रही है। इसलिए, देश में पहली बार सहकारिता मंत्रालय बनाया गया। सहकारी क्षेत्र में, दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना शुरू की गई है। जिन गांवों में सहकारी समितियां नहीं हैं, वहां 2 लाख समितियां बनाई जा रही हैं।

मत्स्य-पालन क्षेत्र में 38 हजार करोड़ रुपए से अधिक की योजनाएं चलाई जा रही है, जिसके कारण मत्स्य उत्पादन पिछले दस साल में 95 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 175 लाख मीट्रिक टन यानी लगभग दोगुना हो गया है। इनलैंड फिशरीज का उत्पादन 61 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 131 लाख मीट्रिक टन हो गया। मत्स्य-पालन क्षेत्र में निर्यात भी 30 हजार करोड़ रुपए से बढकर 64 हजार करोड़ रुपए तक, यानी

दोगुने से ज्यादा बढ़ा है। देश में पहली बार पशुपालकों और मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ दिया गया है। पिछले दशक में, प्रति व्यक्ति दूध उपलब्धता 40 प्रतिशत बढ़ीहै। पशुओं को खुरपका और मुंहपका बीमारियों से बचाने के लिए पहली बार मुफ्त अब तक, चार चरणों में, 50 करोड़ से ज्यादा टीके, टीकाकरण अभियान चल रहा है। पशुओं को दिए जा चुके हैं।

माननीय सदस्यगण, जनकल्याण की ये जितनी भी योजनाएं हैं, ये सिर्फ सुविधाएं भर नहीं हैं। इनका देश के नागरिकों के पूरे जीवन-चक्र पर सकारात्मक असर पड़ रहा है। विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा, मेरी सरकार की योजनाओं के प्रभावों का अध्ययन किया गया है। इनके परिणाम बहुत ही प्रभावकारी हैं और गरीबी से लड़ रहे दुनिया के हर देश को प्रेरित करने वाले हैं। बीते वर्षों में विभिन्न संस्थाओं के अध्ययन में सामने आया है कि11 करोड़ शौचालयों के निर्माण और खुले में शौच बंद होने से, अनेक बीमारियों की रोकथाम हुई है। इससे शहरी क्षेत्र के हर गरीब परिवार को इलाज पर प्रति वर्ष 60 हजार रुपए तक की बचत हो रही है। पाइप से शुद्ध पेयजल मिलने से भी प्रतिवर्ष लाखों बच्चों की जान बच रही है। पीएम आवास योजना पर हुए अध्ययन के अनुसार, पक्के घर से परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा और गरिमा बढ़ी है। पक्के घरों में बच्चों की पढ़ाई बेहतर हुई है और ड्रॉप आउट की दर में कमी आयी है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की वजह से आज देश में शत- प्रतिशत संस्थागत प्रसव हो रहे हैं। इस वजह से माता मृत्यु दर में भी भारी गिरावट आई है। एक और अध्ययन के अनुसार, उज्ज्वला योजना के लाभार्थी परिवारों में, गंभीर बीमारी की घटनाओं में कमी आई है।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार, मानव केंद्रित विकास पर बल दे रही है। हमारे लिए हर नागरिक की गरिमा सर्वोपरि है। यही सामाजिक न्याय की हमारी अवधारणा है। भारत के संविधान के हर अनुच्छेद का संदेश भी यही है। हमारे यहां लंबे समय तक सिर्फ अधिकारों पर चर्चा होती थी। हमने सरकार के कर्तव्यों पर भी बल दिया। इससे नागरिकों में भी कर्तव्य-भाव जागा। आज अपने-अपने कर्तव्य के पालन से हर अधिकार की गारंटी का भाव जागृत हुआ है। मेरी सरकार ने उनकी भी सुध ली है, जो अब तक विकास की धारा से दूर रहे हैं। ऐसे हजारों आदिवासी गांव हैं जहां बीते 10 वर्षों में पहली बार बिजली और सड़क पहुंची है। लाखों आदिवासी परिवारों को अब जाकर पाइप से शुद्ध पानी मिलना शुरू हुआ है। विशेष अभियानके

तहत मेरी सरकार, हजारों आदिवासी बहुल गांवों में 4जीइंटरनेट सुविधा भी पहुंचा रही है। वनधन केंद्रों की स्थापना और 90 से ज्यादा वन-उपज पर एम.एस.पी.दिए जाने से, आदिवासियों को बहुत लाभ हुआ है।

मेरी सरकार ने पहली बार, जनजातियों में भी सबसे पिछड़ी जनजातियों की सुध ली है। उनके लिए लगभग 24 हज़ार करोड़ रुपए की पीएम जनमन योजना बनाई है। आदिवासी परिवारों की अनेक पीढ़ियां सिकल सेल अनीमिया से पीड़ित रही हैं। पहली बार इसके लिए राष्ट्रीय मिशन शुरु किया गया है। अब तक लगभग 1 करोड़ 40 लाख लोगों की जांच की जा चुकी है। दिव्यांगजनों के लिए भी मेरी सरकार ने सुगम्य भारत अभियान चलाया है। साथ ही, भारतीय सांकेतिक भाषा में पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराईं हैं। ट्रांसजेंडर को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने और उनके अधिकारों के संरक्षण हेतु भी कानून बनाया गया है।

माननीय सदस्यगण, हमारे यहां विश्वकर्मा परिवारों के बिना, दैनिक जीवन की कल्पना भी मुश्किल है। ये परिवार, पीढ़ी दर पीढ़ी, अपने कौशल को आगे बढ़ाते हैं। लेकिन सरकारी मदद के अभाव में, हमारे विश्वकर्मा साथी बुरी स्थिति से गुजर रहे थे। मेरी सरकार ने ऐसे विश्वकर्मा परिवारों की भी सुध ली है। अभी तक पीएम विश्वकर्मा योजना से 84 लाख से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं। रेहड़ी-ठेले-फुटपाथ पर काम करने वाले साथी भी दशकों से अपने हाल पर छोड़ दिए गए थे। मेरी सरकार ने, पीएम स्वनिधि योजना द्वारा उनको बैंकिंग से जोड़ा। इस योजना के तहत, अब तक 10 हज़ार करोड़ रुपए से अधिक की राशि के ऋण दिए जा चुके हैं1सरकार ने इन पर भरोसा करते हुए, बिना संपार्श्विक के ऋण दिया। उस भरोसे को मजबूत करते हुए, अधिकांश लोगों ने ऋण तो वापस किया ही, अगली किश्त का भी लाभ उठाया। इस योजना के अधिकतर लाभार्थी दलित, पिछड़े, आदिवासी और महिलाएं हैं।

माननीय सदस्यगण, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर चल रही मेरी सरकार समाज के हर वर्ग को उचित अवसर देने में जुटी है। पहली बार सामान्य वर्ग के गरीबों को आरक्षण की सुविधा दी गई। मेडिकल में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए ओबीसी के केन्द्रीय कोटे के तहत दाखिले में 27 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चितकिया गया। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया।

मेरी सरकार ने बाबा साहेब आंबेडकर से जुड़े 5 स्थानों को पंचतीर्थ केरूप में विकसित किया। आज देशभर में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के लिए समर्पित 10 संग्रहालय बनाए जा रहे हैं।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार ने ऐसे क्षेत्रों को भी पहली बार विकास से जोड़ा है जो दशकों तक उपेक्षित रहे। हमारी सीमाओं से सटे गांवों को देश का अंतिम गांव माना जाता था। मेरी सरकार ने, इन्हें देश का पहला गांव बनाया। इन गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम शुरु किया गया है।

अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप जैसे हमारे दूर-सुदूर के द्वीप-समूह भी विकास से वंचित थे। मेरी सरकार ने, इन द्वीपों में भी, आधुनिक सुविधाओं का निर्माण किया। वहां सड़क, हवाई यातायात और तेज इंटरनेट की सुविधाएं पहुंचाईं। कुछ सप्ताह पूर्व ही, लक्षद्वीप को भी अंडर वॉटर ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा गया है। इससे स्थानीय लोगों के साथ ही, पर्यटकों को भी सुविधा होगी।

मेरी सरकार द्वारा, आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत, देश के सौ से अधिक जिलों में विकास को प्राथमिकता दी गई है। इस कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए, मेरी सरकार ने, आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम भी शुरू किया है। इससे देश के उन ब्लॉक्स में विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जो पीछे छूट गए थे।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार आज पूरी सीमा पर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बना रही है। यह काम बहुत पहले ही, प्राथमिकता के आधार पर हो जाना चाहिए था। आतंकवाद हो या विस्तारवाद, हमारी सेनाएं आज 'जैसे को तैसा' की नीति के साथ जवाब दे रही हैं। आंतरिक शांति के लिए मेरी सरकार के प्रयासों के सार्थक परिणाम हमारे सामने हैं। जम्मू कश्मीर में आज सुरक्षा का वातावरण है। आज वहां हड़ताल का सन्नाटा नहीं, भीड़ भरे बाजार की चहल-पहल है।

नॉर्थ-ईस्ट में अलगाववाद की घटनाओं में भारी कमी आई है। अनेक संगठनों ने स्थाई शांति की तरफ कदम बढ़ाए हैं। नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र घटे हैं और नक्सली हिंसा में भी भारी गिरावट हुई है।

माननीय सदस्यगण, भारत के लिए, यह समय आने वाली सदियों का भविष्य लिखने का है। हमारे पूर्वजों ने हज़ारों वर्षों की एक विरासत हमारे लिए छोड़ी है। अपने पूर्वजों की सौगातों को आज भी हम बड़े गौरव के साथ याद करते हैं। आज की पीढ़ी को भी ऐसी विरासत बनानी है जो सदियों तक याद रखी जाए

इसलिए, मेरी सरकार आज एक बड़े विजन पर काम कर रही है। इस विजन में आने वाले 5 वर्ष का कार्यक्रम भी है। इसमें आने वाले 25 साल का रोडमैप भी है। हमारे लिए विकसित भारत सिर्फ आर्थिक समृद्धि तक सीमित नहीं है। हम सामाजिक, सांस्कृतिक और सामरिक ताकत को भी उतना ही महत्व दे रहे हैं। इनके बिना विकास और आर्थिक समृद्धि स्थाई नहीं रह सकती। बीते दशक के फैसले भी, इसी ध्येय से लिए गए हैं। आज भी अनेक कदम इसी लक्ष्य के साथ उठाए जा रहे हैं।

माननीय सदस्यगण, भारत के तेज विकास को लेकर आज दुनिया की हर एजेंसी आश्वस्त है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां जो भी आकलन कर रही हैं, उनका आधार भारत की नीतियां हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर में रिकॉर्ड निवेश और पॉलिसी रिफॉर्म, निवेशकों का विश्वास और बढ़ा रहे हैं। पूर्ण बहुमत वाली स्थिर और मजबूत सरकार के लिए भारतीयों का संकल्प भी दुनिया को नया भरोसा दे रहा है। आज दुनिया को विश्वास है कि भारत ही ग्लोबल सप्लाई चेन को सशक्त कर सकता है। इसलिए भारत भी आज इसके लिए बड़े कदम उठा रहा है। देश में एम.एस.एम.ई.का एक मजबूत नेटवर्क बनाया जा रहा है।

मेरी सरकार ने 14 सेक्टर्स के लिए पी.एल.आई.योजनाएं शुरु की हैं। इसके तहत अभी तक लगभग 9 लाख करोड़ रुपए का उत्पादन हो चुका है। इससे देश में रोजगार और स्व-रोजगार के लाखों नए अवसर बने हैं। पी.एल.आई.से इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग और मेडिकल डिवाइस के सेक्टर में भी लाभ हो रहा है। मेडिकल डिवाइस से जुड़े दर्जनों प्रोजेक्ट्स में उत्पादन शुरु हो चुका है। मेरी सरकार ने देश में 3 बल्क ड्रग पार्क भी बनाए हैं।

माननीय सदस्यगण, आज मेड इन इंडिया एक ग्लोबल ब्रांड बन चुका है। मेक इन इंडिया को लेकर आज दुनिया आकर्षित हो रही है। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को दुनिया समझ रही है। आज दुनिया भर की कंपनियां भारत में नए सेक्टर्स को लेकर उत्साहित हैं। सेमी-कंडक्टर सेक्टर में हो रहा निवेश इसका उदाहरण है। सेमी-कंडक्टर सेक्टर से इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबील सेक्टर को भी बहुत लाभ होगा।

मेरी सरकार आज ग्रीन मोबिलिटी को बहुत प्रोत्साहन दे रही है। बीते कुछ सालों में ही देश में लाखों इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्माण हुआ है। अब तो हम भारत में ही बड़े हवाई जहाज़ की मैन्युफेक्चरिंग के लिए भी कदम बढ़ा चुके हैं। आने वाले समय में मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर में करोड़ों नए रोजगारों का सृजन होगा।

माननीय सदस्यगण, विश्व में आज ऐसे उत्पादों की विशेष मांग है, जो पर्यावरण के अनुकूल हों। इसलिए मेरी सरकार, शून्य दोष शून्य प्रभाव पर बल दे रही है। आज ग्रीन एनर्जी पर हमारा बहुत फोकस है। 10 वर्षों में गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित ऊर्जा क्षमता 81 गीगावॉट से बढ़कर 188 गीगावॉट हो चुकी है। इस दौरान सोलर पावर कैपेसिटी में 26 गुना बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह, पवन ऊर्जा क्षमता दोगुनी हो गई है। नवीकरणीय ऊर्जा अधिष्ठापित क्षमताकी दृष्टि से हम दुनिया में चौथे नंबर पर हैं। पवन ऊर्जा क्षमता में भी हम चौथे नंबर पर हैं। सौर ऊर्जा क्षमता में हम पांचवें नंबर पर हैं। भारत ने 2030 तक अपनी स्थापित क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन से पूरा करने का लक्ष्य रखा है। बीते 10 वर्षों में 11 नए सोलर पार्क बन चुके हैं। 9 सोलर पार्कों पर आज काम चल रहा है। कुछ दिन पहले ही घर की छत पर सोलर एनर्जी उपलब्ध कराने के लिए एक नई योजना घोषित की गई है। इसके तहत 1 करोड़ परिवारों को मदद दी जाएगी। इससे बिजली का बिल भी कम होगा और अतिरिक्त बिजली की खरीद विद्युत बाजार में की जाएगी। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भी बहुत तेजी से काम किया जा रहा है। मेरी सरकार ने 10 नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को स्वीकृति दी है। हाइड्रोजन एनर्जी के क्षेत्र में भी भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। हम अभी तक लद्दाख और दमन-दीव में दो प्रोजेक्ट शुरु कर चुके हैं। मेरी सरकार ने इथेनॉल के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया है। देश, 12 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य हासिल कर चुका है। बहुत ही जल्द, 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का टारगेट भी पूरा होने वाला है। इससे हमारे किसानों की आय बढ़ेगी। अभी तक सरकारी कंपनियां एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इथेनॉल खरीद चुकी हैं। इन सारे प्रयासों से अपनी ऊर्जा ज़रूरतों के लिए विदेशों पर निर्भरता कम होगी। कुछ दिन पहले ही, बंगाल की खाड़ी में एक नए ब्लॉक में तेल उत्पादन शुरु हुआ है। यह देश के लिए एक बड़ी सफलता है।

माननीय सदस्यगण, धरती में महत्वपूर्ण खनिजों की मात्रा सीमित है। इसलिए मेरी सरकार सर्कुलर इकॉनॉमी को प्रोत्साहित कर रही है। भारत की पहली वेहिकल स्क्रैपेज पॉलिसी का लक्ष्य भी यही है। गहरे समुद्र में खनिजों की संभावनाओं को तलाशना भी ज़रूरी है। इसी लक्ष्य के साथ डीप ओशन मिशन शुरु किया गया। इस मिशन से अपने समुद्री जन-जीवन के बारे में हमारी समझ भी बेहतर होगी। भारत का समुद्र-यान इस क्षेत्र में शोध कर रहा है।

मेरी सरकार, भारत को दुनिया की एक बड़ी स्पेस पावर बनाने में जुटी है। यह मानव जीवन को बेहतर बनाने का एक माध्यम है। साथ ही यह स्पेस इकॉनॉमी में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने का भी प्रयास है। भारत के स्पेस प्रोग्राम के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। इसके कारण अनेक नए स्पेस स्टार्ट-अप्स बने हैं। अब वह दिन दूर नहीं है जब भारत का गगनयान स्पेस में जाएगा।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार ने भारत को दुनिया की अग्रणी डिजिटल इकॉनॉमीज़ में से एक बनाया है। इससे करोड़ों युवाओं को रोज़गार मिला है। हमारा प्रयास है कि चौथी औद्योगिक क्रांति में भारत दुनिया में सबसे आगे रहे। मेरी सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन पर काम कर रही है। यह भारत के युवाओं को नए अवसर देगा। यह नए स्टार्ट-अप्स के लिए संभावनाएं खोलेगा। इससे कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। मेरी सरकार ने नेशनल क्वांटम मिशन भी स्वीकृत किया है। क्वांटम कंप्यूटिंग, नए दौर की डिजिटल व्यवस्था बनाएगा। इस क्षेत्र में भारत आगे रहे इसके लिए काम शुरू हो चुका है।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार, भारत की युवाशक्ति की शिक्षा और कौशल विकास के लिए निरंतर नए कदम उठा रही है। इसके लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाई गई और उसे तेजी से लागू किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा और भारतीय भाषाओं में शिक्षा पर बल दिया गया है। इंजीनियरिंग, मेडिकल, कानून जैसे विषयों की पढ़ाई भारतीय भाषाओं में प्रारंभ कर दी गई है। स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए मेरी सरकार, 14 हज़ार से अधिक पीएम श्री विद्यालयों पर काम कर रही है। इनमें से 6 हज़ार से अधिक विद्यालय शुरु हो चुके हैं। मेरी सरकार के प्रयासों से देश में ड्रॉप आउट रेट कम हुआ है। उच्च शिक्षा में छात्राओं के दाखिले ज्यादा हो रहे हैं। अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के नामांकन में लगभग 44% वृद्धि हुई है। नामांकन में, अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की 65% और ओबीसी के विद्यार्थियों की 44% से अधिक वृद्धि हुई है। इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए अटल इनोवेशन मिशन के अंतर्गत 10 हज़ार अटल टिंकरिंग लैब स्थापित किए गए है। इनमें 1 करोड़ से अधिक विद्यार्थी जुड़े हैं। साल 2014 तक देश में 7 एम्स और 390 से भी कम मेडिकल कॉलेज थे। वहीं पिछले दशक में 16 एम्स और

315 मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं। 157 नर्सिंग कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। पिछले दशक में, एम.बी.बी.एस. की सीटों में दोगुने से भी अधिक की वृद्धि हुई है।

पर्यटन क्षेत्र, युवाओं के लिए रोज़गार देने वाला एक बड़ा सेक्टर है। मेरी सरकार ने बीते 10 वर्षों में पर्यटन के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया है। भारत में घरेलू टूरिस्ट्स की संख्या के साथ ही, भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या भी बढ़ी है। पर्यटन के क्षेत्र में जो वृद्धि हो रही है, इसका कारण भारत की बढ़ती साख है। आज दुनिया भारत को देखना और जानना चाहती है। इसके अलावा, शानदार कनेक्टिविटी विकसित होने के कारण भी पर्यटन का दायरा बढ़ा है। जगह-जगह एयरपोर्ट्स बनने से भी बहुत फायदा हो रहा है। नॉर्थ-ईस्ट में आज रिकॉर्ड संख्या में टूरिस्ट पहुंच रहे हैं। अंडमान- निकोबार और लक्षद्वीप को लेकर उत्साह चरम पर है।

मेरी सरकार ने देश भर में तीर्थों और ऐतिहासिक स्थलों के विकास पर बल दिया है। इससे अब भारत में तीर्थ यात्रा आसान हुई है। वहीं दुनिया भी, भारत में हैरिटेज टूरिज्म को लेकर आकर्षित हो रही है। बीते एक वर्ष में साढ़े आठ करोड़ लोग काशी गए हैं। 5 करोड़ से अधिक लोगों ने महाकाल के दर्शन किए हैं। उन्नीस लाख से अधिक लोगों ने केदार धाम की यात्रा की है। अयोध्या धाम में ही प्राण प्रतिष्ठा के बाद 5 दिनों में ही 13 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। पूर्व-पश्चिम-उत्तर-दक्षिण, भारत के हर हिस्से में तीर्थ स्थलों पर सुविधाओं का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। मेरी सरकार भारत को मीटिंग और प्रदर्शनी से जुड़े सेक्टर में भी अग्रणी बनाना चाहती है। इसके लिए भारत मंडपम और यशोभूमि जैसा इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जा रहा है। आने वाले समय में टूरिज्म, रोजगार का एक बहुत बड़ा माध्यम बनेगा।

माननीय सदस्यगण, देश की युवाशक्ति को कौशल और रोजगार से जोड़ने के लिए हम स्पोर्ट्स इकॉनॉमी को मजबूत कर रहे हैं। मेरी सरकार ने खेलों और खिलाड़ियों को अभूतपूर्व मदद दी है। आज भारत एक बहुत बड़ी खेल शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। खिलाड़ियों के साथ ही आज हम स्पोर्ट्स से जुड़े दूसरे क्षेत्रों पर भी बल दे रहे हैं। आज नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बन चुकी है। देश में हमने दर्जनों सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाए हैं। इससे स्पोर्ट्स को एक प्रोफेशन के रूप में चुनने का अवसर युवाओं को मिलेगा। खेल उपकरणों से जुड़ी इंडस्ट्री को भी हर प्रकार की मदद दी जा रही है। बीते 10 वर्षों में भारत ने अनेक

खेलों से जुड़े इंटरनेशनल स्पोर्ट्स इवेंट्स का शानदार आयोजन किया। देश के युवाओं में कर्तव्य-बोध और सेवा-भाव का विस्तार करने के लिए 'मेरा युवा भारत' संगठन बनाया गया है। अभी तक इस संगठन से लगभग 1 करोड़ युवा जुड़ चुके हैं|

माननीय सदस्यगण, संक्रमण काल में एक मजबूत सरकार होने का क्या मतलब होता है, ये हमने देखा है। बीते 3 वर्षों से पूरी दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दरारें पड़ गई हैं। इस कठिन दौर में, मेरी सरकार ने, भारत को विश्व-मित्र के रूप में स्थापित किया है। विश्व- मित्र की भूमिका के कारण ही आज हम ग्लोबल साउथ की आवाज़ बन पाए हैं। बीते 10 वर्षों में एक और पुरानी सोच को बदला गया है। पहले डिप्लोमेसी से जुड़े कार्यक्रमों को दिल्ली के गलियारों तक ही सीमित रखा जाता था। मेरी सरकार ने इसमें भी जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित की है। इसका एक बेहतरीन उदाहरण भारत द्वारा जी-20 अध्यक्षता के दौरान देखा गया। भारत ने जी-20 को जिस प्रकार जनता से जोड़ा वैसा पहले कभी नहीं हुआ। देशभर में हुए कार्यक्रमों के जरिए भारत के वास्तविक सामर्थ्य से दुनिया का परिचय हुआ। जम्मू कश्मीर और नॉर्थ- ईस्ट में पहली बार इतने बड़े अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम हुए। पूरी दुनिया ने भारत में हुए ऐतिहासिक जी-20 सम्मेलन की प्रशंसा की। ऐसे बंटे हुए माहौल में भी एकमत से दिल्ली घोषणापत्र जारी होना ऐतिहासिक है। 'वीमेन लेड डेवलपमेंट' से लेकर पर्यावरण के मुद्दों तक भारत का विजन, दिल्ली घोषणापत्र की नींव बना है।

हमारे प्रयासों से जी-20 में अफ्रीकन यूनियन की स्थाई सदस्यता को भी सराहा गया है। इसी सम्मेलन के दौरान भारत-मिडिलईस्ट-यूरोप कॉरिडोर के निर्माण की घोषणा हुई। यह कॉरिडोर, भारत के सामुद्रिक सामर्थ्य को और सशक्त करेगा। ग्लोबल बायो फ्यूल अलायंस का लॉन्च होना भी बहुत बड़ी घटना है। इस प्रकार के कदम वैश्विक समस्याओं के समाधान में भारत की भूमिका का विस्तार कर रहे हैं।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार ने वैश्विक विवादों और संघर्षों के इस दौर में भी, भारत के हितों को मजबूती से दुनिया के सामने रखा है। भारत की विदेश नीति का दायरा आज अतीत की बंदिशों से कहीं आगे बढ़ चुका है। आज भारत अनेक वैश्विक संगठनों का सम्मानित सदस्य है। आज आतंकवाद के खिलाफ भारत दुनिया की एक प्रमुख आवाज है। भारत आज संकट में फंसी मानवता की मदद के लिए मजबूती से

पहल करता है। दुनिया में कहीं भी संकट आने पर भारत वहां तेज़ी से पहुंचने का प्रयास करता है। मेरी सरकार ने दुनिया भर में काम कर रहे भारतीयों में नया भरोसा जगाया है। ऑपरेशन गंगा, ऑपरेशन कावेरी और वंदे भारत जैसे अभियान चलाकर जहां-जहां संकट आया वहां से हर भारतीय को हम तेजी से सुरक्षित वापस लेकर आए हैं।

मेरी सरकार ने योग, प्राणायाम और आयुर्वेद की भारतीय परंपराओं को पूरी दुनिया तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। पिछले वर्ष, संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्यालय में 135 देशों के प्रतिनिधियों ने एक साथ योग किया। यह अपने आप में एक नया रिकॉर्ड है। मेरी सरकार ने आयुष पद्धतियों के विकास के लिए एक नया मंत्रालय बनाया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का पहला पारंपरिक चिकित्सा के लिए वैश्विक केंद्र भी भारत में बन रहा है।

माननीय सदस्यगण,सभ्यताओं के कालखंड में ऐसे पड़ाव आते हैं जो सदियों का भविष्य तय करते हैं। भारत के इतिहास में भी ऐसे अनेक पड़ाव आए हैं। इस वर्ष, 22 जनवरी को भी देश ऐसे ही एक पड़ाव का साक्षी बना है। सदियों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं। यह करोड़ों देशवासियों की इच्छा और आस्था का प्रश्न था, जिसका उत्तर देश ने पूरे सद्भाव के साथ खोजा है।

माननीय सदस्यगण, आप सभी, करोड़ों भारतीयों की आकांक्षाओं के प्रतिनिधि हैं। आज जो युवा स्कूल-कॉलेज में है, उसके सपने बिल्कुल अलग हैं। हम सभी का यह दायित्व है कि अमृत पीढ़ी के सपनों को पूरा करने में कोई कसर बाकी न रहे। विकसित भारत, हमारी अमृत पीढ़ी के सपनों को साकार करेगा। इसलिए, हम सभी को, एक साथ मिलकर, संकल्पों की सिद्धि के लिए जुटना होगा।

माननीय सदस्यगण, श्रद्धेय अटल जी ने कहा था-

अपनी ध्येय-यात्रा में,

हम कभी रुके नहीं हैं।

किसी चुनौती के सम्मुख

कभी झुके नहीं हैं।

मेरी सरकार, 140 करोड़ देशवासियों के सपनों को पूरा करने की गारंटी के साथ आगे बढ़ रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह नया संसद भवन भारत की ध्येय-यात्रा को निरंतर ऊर्जा देता रहेगा, नई और स्वस्थ परंपराएं बनाएगा। वर्ष 2047 को देखने के लिए अनेक साथी तब इस सदन में नहीं होंगे।

लेकिन हमारी विरासत ऐसी होनी चाहिए कि तब की पीढ़ी हमें याद करे।

आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं!

धन्यवाद!

जय हिन्द!

जय भारत!

अपराह्न 12.58 बजे

निधन संबंधी उल्लेख

[हिन्दी]

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मुझे अत्यंत दु:ख के साथ, अपने दो पूर्व साथियों के निधन के बारे में सभा को सूचित करना है।

श्री भद्रेश्वर तांती असम के कलियाबोर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से आठवीं लोक सभा के सदस्य थे।

श्री तांती ने विशेषाधिकार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

श्री भद्रेश्वर तांती का निधन 4 दिसम्बर, 2023 को 79 वर्ष की आयु में असम के गोलाघाट में हुआ।

श्री सोनावणे प्रताप नारायणराव महाराष्ट्र के धुले संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से पन्द्रहवीं लोक सभा के सदस्य थे।

श्री सोनावणे ने जल संसाधन संबंधी समिति और शहरी विकास संबंधी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

इससे पूर्व, श्री सोनावणे दो कार्यकाल के लिए महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य भी रहे।

श्री सोनावणे प्रताप नारायणराव का निधन 22 दिसम्बर, 2023 को 75 वर्ष की आयु में महाराष्ट्र के नासिक में हुआ।

हम अपने पूर्व साथियों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। यह सभा उनके शोकसंतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती है।

अब, यह सभा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में कुछ देर के लिए मौन रहेगी।

अपराह्न 12.59 बजे

तत्पश्चात् सदस्यगण थोड़ी देर मौन खड़े रहे।

माननीय अध्यक्ष: ओम् शांति: शांति: शांति:।

अपराह्न 1.00 बजे

विशेषाधिकार समिति

7वां प्रतिवेदन

[हिन्दी]

श्री सुनील कुमार सिंह (चतरा) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं विशेषाधिकार समिति का सातवां प्रतिवेदन (हिन्दी और अंग्रेजी संस्करण) सभा पटल पर रखता हूं।

———

माननीय अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही गुरुवार, 01 फरवरी, 2024 को प्रात: 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

अपराह्न 1.01 बजे

तत्पश्चात लोक सभा गुरुवार, 1 फरवरी, 2024 / 12 माघ, 1945 (शक) के पूर्वाह्न ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।

———

इंटरनेट

लोक सभा की सत्रावधि के प्रत्येक दिन के वाद-विवाद का मूल संस्करण, अंग्रेज़ी संस्करण और हिन्दी संस्करण भारतीय संसद की निम्नलिखित वेबसाइट पर उपलब्ध हैं:

https://sansad.in/ls

लोक सभा की कार्यवाही का सीधा प्रसारण

लोक सभा की संपूर्ण कार्यवाही का संसद टी.वी. चैनल पर सीधा प्रसारण किया जाता है। यह प्रसारण सत्रावधि में प्रतिदिन प्रातः 11.00 बजे लोक सभा की कार्यवाही शुरू होने से लेकर उस दिन की कार्यवाही समाप्त होने तक होता है।

© 2024 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों (सत्रहवां संस्करण) के नियम 379 और 382 के अन्तर्गत प्रकाशित